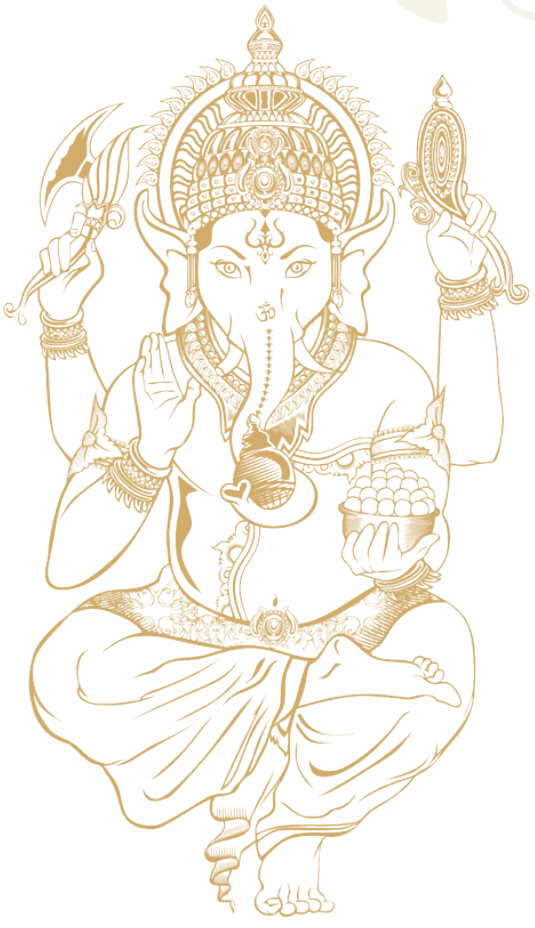

Ashutosh Anjali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120957308

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/01/2000	जन्म तिथि	11/03/2000
बुध-गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 04:15:00	जन्म समय	22:00:00 घंटे
घटी 52:35:38	जन्म समय(घटी)	38:31:08 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Bahadurgarh
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:42:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:44	सूर्योदय	06:36:49
17:55:26	सूर्यास्त	18:28:21
23:51:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 3मा 19दि	27:24:51	वृश्चि	लग्न	तुला	14:32:04	सूर्य 1वर्ष 6मा 14दि
गुरु	12:25:55	मक	सूर्य	कुंभ	27:33:12	राहु
18/05/2023	26:33:45	कन्या	चंद्र	वृष	06:34:38	25/09/2018
18/05/2039	23:48:06	कुंभ	मंगल	मीन	27:44:05	25/09/2036
गुरु 05/07/2025	19:52:27	मक	बुध व	कुंभ	09:27:10	राहु 07/06/2021
शनि 16/01/2028	03:27:44	मेष	गुरु	मेष	10:55:50	गुरु 01/11/2023
बुध 23/04/2030	08:44:49	धनु	शुक्र	कुंभ	03:55:31	शनि 07/09/2026
केतु 30/03/2031	16:38:15	मेष	शनि	मेष	19:30:06	बुध 26/03/2029
शुक्र 28/11/2033	09:49:38	कर्क व	राहु व	कर्क	08:35:54	केतु 14/04/2030
सूर्य 16/09/2034	09:49:38	मक व	केतु व	मक	08:35:54	शुक्र 14/04/2033
चन्द्र 16/01/2036	22:20:39	मक	हर्ष	मक	24:51:42	सूर्य 08/03/2034
मंगल 22/12/2036	10:17:12	मक	नेप	मक	11:50:17	चन्द्र 07/09/2035
राहु 18/05/2039	18:23:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:02:32	मंगल 25/09/2036

लग्न-चलित

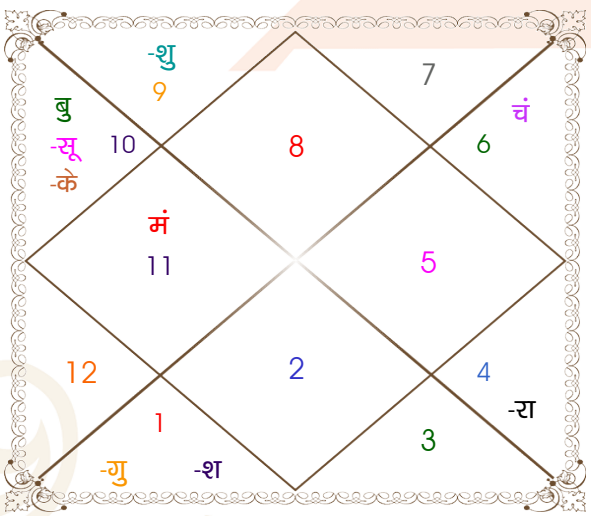

लग्न-चलित

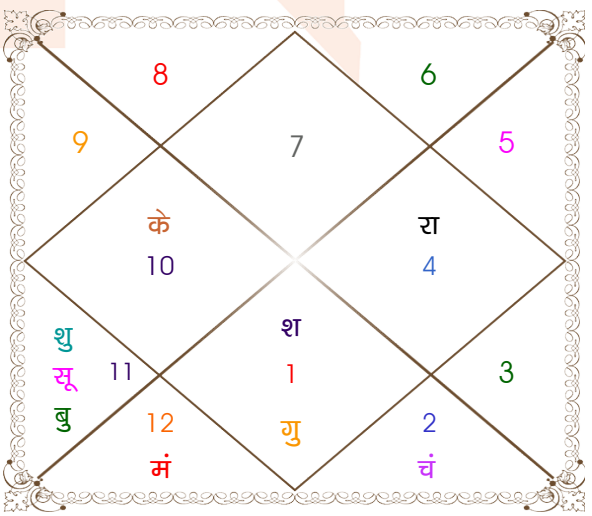

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ीनजवी का वर्ग मूषक है तथा Anjali का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और Anjali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Anjali मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anjali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीनजवी तथा Anjali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।